Hindi Murli Quiz 31-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **यह है शिव ज्ञान यज्ञ, इसमें तुम तन-मन-धन सब स्वाहा कर देते हो। खुशी से सब अर्पण हो जाता है। बाकी कुछ नहीं रहता है।**

A. False

B. True

Explanation: यह है शिव ज्ञान यज्ञ, इसमें तुम तन-मन-धन सब स्वाहा कर देते हो। खुशी से सब अर्पण हो जाता है। बाकी आत्मा रह जाती है।

Q.2) **इतना समय देह-अभिमानी थे। अब अपने को आत्मा समझ बाप को याद करना है। हमारा बाबा आया हुआ है ड्रामा प्लैन अनुसार। बाप आते भी हैं रात्रि में। कब आते हैं-उसकी भी तिथि-तारीख है।**

A. True / ये वाक्य सही है

B. False / ये वाक्य गलत है

Explanation: हमारा बाबा आया हुआ है ड्रामा प्लैन अनुसार। बाप आते भी हैं रात्रि में। कब आते हैं-उसकी तिथि-तारीख कोई नहीं है। तिथि-तारीख उनकी होती है जो लौकिक जन्म लेते हैं। यह तो है पारलौकिक बाप। इनका लौकिक जन्म नहीं है। कृष्ण की तिथि, तारीख, समय आदि सब देते हैं। इनका तो कहा जाता है दिव्य जन्म।

Q.3) **अकाले मृत्यु नहीं होती। तुम अमर बन और अमरपुरी के मालिक बनते हो। तुमको कभी काल खा न सके। अभी तुम मरने के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो।**

A. True

B. False

Q.4) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	अभी तुम सतगुरू का मन्त्र लेते हो	मनमनाभव।
B	सबको कहो आप सबकी	वानप्रस्थ अवस्था है।
C	तुम जानते हो हम सर्वन्श देते हैं	बाबा यह सब कुछ आपका है, आप ही हमारे सब कुछ हो।
D	21 जन्म, 21 पीढ़ी गाये जाते हैं ना अर्थात् 21 जन्म पूरी लाइफ चलती है।	बीच में कभी शरीर छूट नहीं सकता। अकाले मृत्यु नहीं होती।
E	मुझे कहते ही हैं पतित-पावन।	मैं तो डिग्रेड होता नहीं हूँ।

Q.5) **तुम एक __ को जानने से ही सब कुछ जान जाते हो।**

A. आत्मा

B. चक्र

C. बाप

Explanation: बाप तुम्हें स्वयं अपना और अपनी जायदाद का परिचय देते हैं। तुम एक बाप को जानने से ही सब कुछ जान जाते हो।

Q.6) **बाप कहते हैं मैं इस ब्रह्मा तन द्वारा तुमको बैठ समझाता हूँ। मुझे भी आरगन्स चाहिए ना। मुझे अपनी कर्मेन्द्रियां तो हैं नहीं। सूक्ष्मवतन में भी कर्मेन्द्रियां हैं।**

A. False / ये वाक्य गलत है

B. True / ये वाक्य सही है

Q.7) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	अपनी शुभ भावना द्वारा निर्बल आत्माओं में बल भरने वाले	सदा शक्ति स्वरूप भव!
B	सेवाधारी बच्चों की विशेष सेवा है-	स्वयं शक्ति स्वरूप रहना और सर्व को शक्ति स्वरूप बनाना |
C	शुभ भावना का अर्थ यह नहीं कि	किसी में भावना रखते-रखते उसके भाववान हो जाओ।
D	एक के प्रति विशेष भावना भी नुकसानकारक है	इसलिए बेहद में स्थित हो निर्बल आत्माओं को अपनी प्राप्त हुई शक्तियों के आधार से शक्ति स्वरूप बनाओ।
E	अलंकार ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार हैं	इसलिए अलंकारी बनो देह अहंकारी नहीं।

Q.8) **भक्ति और ज्ञान दोनों में सबसे श्रेष्ठ कर्म है-_____ |**

- **A.** दान करना
- **B.** साक्षात्कार करना |
- **C.** याद करना |

Q.9) **तुम्हारा जो भी कलियुगी कर्मबन्धन है, बाप कहते हैं उनको**

- **A.** योगबल से समाप्त करो |
- **B.** भूल जाओ।
- **C.** चुक्तु करो |

Q.10) **तुम बच्चों को साइलेन्स का शुद्ध घमण्ड रहना चाहिए।**

- **A.** True
- **B.** False